পাঠ 15
पाठ

অসমীয়া জীৱন আৰু সংস্কৃতি

মমতা : সুৰভি, অসমীয়া তুমি কেনেকৈ শিকিলা?

সুৰভি : মম্প *লক্ষ্ণৌ ভাৰতীয় ভাষাকেন্দ্ৰত* অসমীয়া শিকিলোঁ। তাত বাংলা, মাৰাঠী, তামিল, তেলেগু আদি ভাষাও শিকায়।

মমতা : তোমালোকক ভাষা কোনে শিকায়? নে কম্পিউটাৰত শিকা?

সুৰভি : এগৰাকী অসমীয়া বাম্পদেৱে শিকায়। তেওঁ মাজে মাজে আমাক অসমীয়া বোলছবি দেখুৱায়। যোৱা সপ্তাহত 'কণিকাৰ ৰামধেনু' দেখুৱালে। কাম্পলৈ কিছুমান অসমীয়া গীতো শুনাব।

মমতা : হয় নেকি? তেনেহলে ময়ো অসমীয়া শিকিম। বাম্পদেৱে আমাক অসমীয়া সংস্কৃতিৰ বিষয়ে পঢ়ুৱাবনে?

সুৰভি : অ' পঢ়ুৱাব। বিহু গীত, বৰগীত

असमिया जीवन और संस्कृति

ममता : सुरभि, तुमने असमिया कैसे सीखी?

सुरभि : मैंने *लखनऊ के भारतीय भाषा केन्द्र* में असमिया सीखी है। केन्द्र में बंगाली, मराठी, तमिल, तेलुगु आदि भाषाएँ भी सिखाई जाती हैं।

ममता : तुमलोगों को भाषा कौन सिखाते हैं? क्या कम्प्यूटर से भी भाषा सीखते हो?

सुरभि : एक असमिया की अध्यापिका सिखाती हैं। बीच बीच में वे हमें असमिया फिल्म भी दिखाती हैं। पिछले सप्ताह हमें 'कनिकार रामधेनु' दिखाई थी। कल कुछ गीत भी सुनाएँगी।

ममता : ऐसा है क्या? तब तो मैं भी असमिया सीखूँगी। अध्यापिका क्या हमें असम की संस्कृति के बारे में भी पढ़ाएँगी?

सुरभि : हाँ पढ़ाएँगी। बिहु गीत, बरगीत भी

শুনাব, বিহু নাচ দেখুৱাব। বিয়া সবাহৰ কথা বুজাম্প কব। জানা, অসমৰ বিয়াত যৌতুক নাম্প। দৰাঘৰেহে কম্পনাৰ আ-অলংকাৰ, সাজ-পাৰ দিয়ে। স্পয়াক 'জোৰণ' বোলে।

মমতা : হয় নেকি? তাত তেনেহলে মহিলাৰ বৰ সন্মান।

সুৰভি : এৰা, আগৰে পৰা তাত মহিলাৰ বৰ সন্মান। এসময়ত অসমত মহিলাম্প ৰাজপী চলাম্পছিল। এতিয়াও বিয়া-সবাহত মহিলাম্প আগভাগ লয়। নামঘৰত নাম-কীৰ্ত্তন কৰিব পাৰে। আজিকালি প্ৰায়বিলাক পৰিয়ালে ছোৱালীক 'ভাৰত নাট্যম', 'সত্ৰীয়া নৃত্য' আদি শিকায়।

মমতা : ম্স্প কিবা 'দেওধনী' নৃত্যৰ কথা শুনিছিলোঁ। এম্প বিষয়ে তুমি কিবা জনানে?

সুৰভি : অ' অসমৰ বড়োসকলে 'খেৰাম্প' নামে ঐা পূজা পাতে। তাত

सुनाएँगी। बिहु नृत्य भी दिखवाएँगी। विवाह की प्रथाओं आदि से परिचित करवाएँगी। जानते हो, असम के विवाह में दहेज नहीं होता। वर के घरवाले लड़की को 'जोरन' में वस्त्र, आभूषण आदि देते हैं।

ममता : यह सच है क्या? इसका मतलब है कि वहाँ महिलाओं का बड़ा सम्मान है।

सुरभि : हाँ, वहाँ महिलाओं का पहले से ही बड़ा सम्मान है। एक समय था जब असम में महिलाएँ राज काज चलाती थीं। सभी शादी-ब्याह में महिलाएँ बढ़-चढ़कर भाग लेती हैं। नामघर में कीर्तन भी करती हैं। आजकल हर परिवार लड़कियों को 'भरत-नाट्यम' और 'सत्रीयानृत्य' सिखाता है।

ममता : मैंने 'देवधनी' नृत्य के बारे में सुना है। वह क्या होता है?

सुरभि : असम की बोरो जनजाति 'खेराइ' नाम का पर्व मनाती है। इस पर्व पर देवधनी नचाया जाता है। पहले

निचले असम में मारे पूजा या काली पूजा पर देवधनी नृत्य होता था।

তেওঁলোকে দেওধনী নচুৱায়। আগতে নামনি অসমত মাৰে পূজা বা কালী পূজাত দেওধনী নচুৱাম্পছিল।

মমতা : তেনেহলে অসমৰ সংস্কৃতি বৰ বিচিত্ৰ। বলা, আমি অসমৰ কৃষ্টি-সংস্কৃতি নিজ চকুৰে এবাৰ চাম্প আহোঁ।

ममता : तब तो असम की संस्कृति बड़ी विविधतापूर्ण है। चलो, हम असम की इस विविधापूर्ण संस्कृति को अपनी आँखों से देखें।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
কেনেকৈ	कैसे
শিকিলা	सीखा
ভাষা কেন্দ্ৰ	भाषा केन्द्र
শিকায়	सिखाता है
মাজে মাজে	बीच बीच में
বোলছবি	फिल्म
সপ্তাহত	सप्ताह में
দেখুৱালে	दिखाया
শুনাব	सुनाएगा
সংস্কৃতি	संस्कृति
বিয়া	विवाह/शादी
যৌতুক	दहेज
	वर का घर

দৰাঘৰ	
সাজপাৰ	वस्त्र आदि
আ-অলংকাৰ	आभूषण, गहने
তেনেহলে	तब
হেনো	सुना है
মহিলা	महिला
ৰাজপাট	राजकाज
নামঘৰত	नाम घर (पूजा स्थल) में
আগভাগ	अगुआ
নামনি	निचला
ভৱিষ্যৎ বাণী	भविष्य वाणी
কৃষ্টি	परंपरा
নচুৱাইছিল	नृत्य करवाना
বলিৰ প্ৰসাদ	बलि का प्रसाद (मांस, खून)
বাধ্য বাধকতা	अनिवार्यता, जबरदस्ती

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

বাইদেৱে মোক অসমীয়া শিকায়।

→ বাইদেৱে মোক অসমীয়া শিকালে।

1. টি. ভি.ত অসমীয়া বোলছবি দেখুৱায়।
2. মাকে ল'ৰাটোক ভাত খুৱায়।
3. তেওঁ মোক গান শুনায়।
4. হেডমাষ্টৰে ইংৰাজী পঢ়ুৱায়।

5. সি বান্দৰ নচুৱায়।

6. বাম্পদেৱে ল'ৰাহঁতক গান শুনায়।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. ি. ভি.ত প্ৰত্যেক সপ্তাহতে একোখন বোলছবি ______________ । (দেখ)
2. কাম্পলৈৰ পৰা 'চাণক্য' খন ________________ । (দেখ)
3. অহা বছৰৰ পৰা আমাক দাস চাৰে অসমীয়া __________________ । (পঢ়)
4. অহা সপ্তাহৰ পৰা হেনো ৰেডিঅ'ত অসমীয়া গান __________ । (শুন)
5. মাকে ল'ৰাটোক এম্পমাত্ৰ ভাত ________________ । (খা)

III. नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के असमिया अर्थ बताइए।

दहेज
सिनेमा
विवाह
गहना
जबरदस्ती

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. সুৰভিয়ে অসমীয়া ক'ত শিকিলে?
2. সুৰভিক অসমীয়া কোনে শিকালে?
3. 'অৰণ্য' বোলছবি ক'ত দেখুৱালে?
4. অসমৰ বিয়াত যৌতুক আছে নে নাম্প?
5. অসমৰ প্ৰধান নাচটোৰ নাম কি?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

দেখুৱায়নে চিনেমাও তোমালোকক

⟶ তোমালোকক চিনেমাও দেখুৱায়নে?

1. মানুহৰ চিনেমাম্প প্ৰতিফলিত জীৱন কৰে

2. চাবলৈ সত্ৰীয়া নৃত্য তোমালোক যাবা নে

3. চলাম্পছিল মহিলাম্প ৰাজপথ অসমৰ

4. নহয়নে বিচিত্ৰ সংস্কৃতি বৰ অসমৰ

VI. 'क्या', 'कौन', 'कहाँ', 'कब', 'किसको' का प्रयोग कर प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. আজিকালি বেছিভাগ পৰিয়ালে ছোৱালীক নাচগান শিকায়।
2. আগতে নামনি অসমত মাৰে পূজাত দেওধনী নচুৱাম্পছিল।

पढ़िए और समझिए।

বসন্ত ৰোগ (চেচক)

মিচেচ হাজৰিকাম্প ডাক্তৰ বৰঠাকুৰক বিচাৰি আহিছিল। ডাক্তৰ বৰঠাকুৰক তেওঁ লগ নাপালে। কাৰণ গধূলি সময়ত তেখেত ক্লিনিকতহে বহে। মিচেচ বৰঠাকুৰে তেওঁক তামোল চালি দিলে। তেওঁ মিচেচ হাজৰিকাৰ বেমেজালিৰ কথা সুধিলে। মিচেচ হাজৰিকাম্প সকলো বিবৰি কলে। তেওঁৰ ল'ৰাৰ যোৱাকালিৰে পৰা গা বেয়া, খুব জ্বৰ আৰু তাৰ গাত কেম্পবাও ফোঁহা দেখা গৈছে।

মিচেচ বৰঠাকুৰে মিচেচ হাজৰিকাক কেম্পামান সজ কথা কলে। বৰ্ত্তমান কেউফালে আম্পসকল ওলাম্পছে। তাৰো হয়তো মাজু আম্পয়েম্প ওলাম্পছে। গতিকে ডাক্তৰক মতাৰ

প্ৰয়োজন নাই। কেইটামান কথা মানি চলিবহে লাগে। আইসকল আপোনা-আপুনি ঠিক হৈ যাব।

হাজৰিকাই ব্যগ্ৰ হৈ সুধিলে, ‘কওকচোন বাৰু কি কি কৰিব লাগিব?’

মিচেচ বৰঠাকুৰে কলে, ‘তাক পাতল বস্তু খুৱাবা। ভজা-পোৰা বস্তু একেবাৰে নুখুৱাবা। ঠাণ্ডা লগাব নালাগে। প্ৰথম কেইদিন গা নুধুৱাবা। গাত চাবোন-পাউদাৰ আদি নলগাবা। তাক একো কাম কৰিবলৈ নিদিবা। তাক সময়মতে খুৱাবা আৰু সময়মতে শুৱাবা। সকলো ঠিক হৈ যাব। চিন্তা নকৰিবা।’

মিচেচ বৰঠাকুৰৰ সজ উপদেশত মিচেচ হাজৰিকাই সন্তুষ্টি প্ৰকাশ কৰিলে। তেওঁ মিচেচ বৰঠাকুৰক নমস্কাৰ জনাই বিদায় ললে। যাবৰ পৰত কলে, ‘ভাল বাইদেউ, আপোনাৰ উপদেশবোৰ আখৰে আখৰে পালন কৰিম।’

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
গধূলি সময়ত	शाम के समय
তামোল-চালি	तांबूल, पान वगैरह
বেমেজালি	उलटा-सीधा
বিবৰি	वर्णन करना
গা-বেয়া	तबीयत खराब होना
জ্বৰ	ज्वर, बुखार
ফোঁহা	फुंसी
সজ উপদেশ	सदुपदेश
বৰ্ত্তমান	वर्तमान
আমনি	विरक्ति
কেউফালে	चारों तरफ
	माताएँ, चेचक

আম্প সকল

মাজু আম্প

প্ৰয়োজন

মানি চলিলে

আপোনা আপুনি

ব্যগ্ৰ

বাৰু

খুৱাবা

ভজা-পোৰা

নুখুৱাবা

নুধুৱাবা

চাবোন

নলগাবা

সময়মতে

শুৱাবা

সন্তুষ্টি

বিদায়

আখৰে আখৰে

खसरा

प्रयोजन

मान लेने पर

अपने आप

व्यग्र

अच्छा, जी

खिलाना

जला-भुना

नहीं खिलाना

नहीं नहलाना

साबुन

नहीं लगाना

समय पर

सुलाइए

संतुष्टि

विदाई

आक्षरिक रूप से

अभ्यास

I. एक वाक्य मे उत्तर दीजिए।

1. কাৰ ল'ৰাৰ জ্বৰ হৈছে?
2. ডা. বৰঠাকুৰ গধূলি সময়ত ক'ত থাকে?
3. মিচেচ হাজৰিকাম্প ল'ৰাটোৰ গাত কি দেখিলে?
4. ল'ৰাটোক কেনেকুৱা বস্তু খুৱাব নালাগে?

5. আম্পৰ ৰোগীয়ে গা ধুব পাৰেনে?

II. विलोम शब्द बनाइए।

ভাল

লাহে লাহে

আগতে

যোৱাবাৰ

অহাবাৰ

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

বিহু অসমৰ জাতীয় উৎসৱ। বিহু তিনি প্ৰকাৰৰ। বহাগ বিহু, কাতি বিহু আৰু মাঘ বিহু। মাঘ বিহুত খোৱা লোৱাৰ ব্যৱস্থা বেছি থাকে। অগ্নি পূজা মাঘ বিহুৰ ঐ া প্ৰধান অংগ। মাঘ বিহুক ভোগালী বিহু বুলিও কয়। বিহুৰ আগ দিনাক উৰুকা বুলি কোৱা হয়। মাঘ বিহুত ল'ৰা-ডেকাম্প হেৰালি ঘৰ বা ভেলাঘৰ সাজি ভোজ ভাত খায়।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

आज महिलाएँ हर क्षेत्र में आगे हैं। प्रशासनिक पदों पर भी काम कर रही हैं। वे सेना और पुलिस में उच्चपदों पर आसीन हैं। कला और साहित्य के क्षेत्र भी उन्होंने नाम कमाया है। वे रेल से लेकर ट्रक चला रही हैं। वे हवाई जहाज भी उड़ा रही हैं। श्रीमती इंदिरा गाँधी भारत की प्रधान-मंत्री थीं। वे कल्पना-चावला ने अंतरिक्ष यात्रा के क्षेत्र में अपना स्थान बनाया। जीवन के हर क्षेत्र में वे पुरूषों से टक्कर ले रही हैं।

V. 'नारी तुम अबला हो' पर एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में प्रेरणार्थक क्रिया का प्रयोग सिखाया गया है। हिन्दी की तरह ही असमिया की मूल क्रिया में '-आ', '-उवा' जोड़कर प्रेरणार्थक रूप बनाया जाता है। जैसे :

'শিক্' (सीख) প্ৰেৰণাৰ্থক (प्रेरणार्थक) क्रिया

শিক্	+	-আ	+	-স্পছে	=	শিকাস্পছে
শিক্	+	-আ	+	-স্পছিল	=	শিকাস্পছিল
শিক্	+	-আ	+	-ব	=	শিকাব

लेकिन,

'পঢ়' (पढ़)	পঢ়	+ -উৱা	+ -ব	=	পঢ়ুৱাব
	খা	+ -উৱা	+ -ব	=	খুৱাব

2. 'সকলো' : इस असमिया शब्द में विभक्ति लगने पर हमेशा विभक्ति जोड़ने के बाद (-ए) स्वर का प्रयोग आभास होता है। जैसे :

-ৰ	:	সকলো + -ৰ + -এ	=	সকলোৰে
-ক	:	সকলো + -ক + -এ	=	সকলোকে

3. হেনো : इस का प्रयोग असमिया में हिन्दी के 'सुना जाता है, कहा जाता है' आदि के अर्थ में होता है। हिन्दी शब्द 'मानों' से इसका अर्थ पृथक है। जैसे :

তুমি হেনো নপঢ়া : सुना है तुम पढ़ते नहीं; लोग कहते हैं तुम पढ़ते नहीं।

4. वरगीत : यह धर्ममूलक ध्रुपदीय संगीत है। इसका आधार नव रस है। नव वैष्णव धर्म के प्रवर्तक शंकरदेव ने जनता को आकर्षित करने के लिए इस तरह के गीत पहली बार लिखे थे। उनके शिष्य माधवदेव ने भी कुछ गीत लिखे हैं। इन दोनों महापुरुषों के लिखे गीतों को ही *वरगीत* कहा जाता है। वरगीत की भाषा ब्रजवुलि है, जो ब्रजभाषा और प्राचीन असमिया का मिश्रण है।

5. बिहुगीत और बिहुनाच : असम में बिषुव संक्रांति के समय सात दिन तक 'रंगालि बिहु' उत्सव मनाया जाता है। इस समय वसंत ऋतु का आगमन होता है। पृथ्वी शस्य-श्यामला होती है। इस अवसर पर युवा-युवतियाँ आनन्दित होकर नाचती और गाती हैं। इस तरह के बिहु गीतों का मूल भाव प्रेम होता है।

6. जोरन : यह असमिया विवाह का एक अनुष्ठानिक मांगलिक कार्य है। यह आम तौर पर विवाह के एक दिन पहले मनाया जाता है। इसमें दूल्हे के घर से कुछ पुरुष और स्त्रियाँ दुल्हन के लिए कपड़े, आभूषण, सिंदूर, नारियल, सुपारी आदि लेकर जाते हैं।

7. सवाह : उत्सव आदि धार्मिक, मांगलिक कार्य।

8. सत्रीया नृत्य : यह एक ध्रुपदीय नृत्य है जिसका प्रारंभ नव वैष्णव धर्म के प्रवर्तक शंकरदेव ने किया था।

9. बरो : असम की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी जनजाति का एक समूह।

10. खेराइ : बोरो लोगों के द्वारा अपने समाज की उन्नति के लिए किया जाने वाला अनुष्ठान जिसमें पशु-बलि भी दी जाती है।

11. देवधनी : शक्ति पूजा के समय नृत्य करनेवाली नर्तकी।